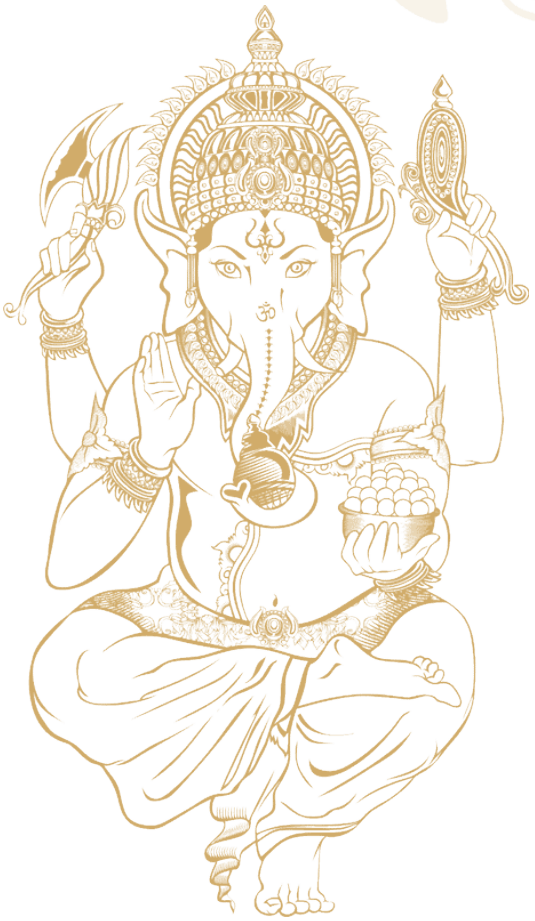

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119646802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/12/1991	जन्म तिथि	17/12/1993
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:15:00	जन्म समय	10:15:00 घंटे
घटी 26:07:43	जन्म समय(घटी)	08:19:18 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Allahabad
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	81:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:54	सूर्योदय	06:42:12
17:25:12	सूर्यास्त	17:15:24
23:44:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 7वर्ष 11मा 28दि	18:33:08	वृष	लग्न	मक	25:20:18	चन्द्र 3वर्ष 0मा 27दि
शुक्र	20:06:03	वृश्चि	सूर्य	धनु	01:29:07	गुरु
04/12/2006	23:43:46	वृश्चि	चंद्र	मक	19:13:53	14/01/2022
04/12/2026	11:31:26	वृश्चि	मंगल	धनु	04:05:55	14/01/2038
शुक्र 05/04/2010	25:09:00	वृश्चि व	बुध	वृश्चि	21:41:43	गुरु 03/03/2024
सूर्य 05/04/2011	19:56:33	सिंह	गुरु	तुला	13:31:14	शनि 14/09/2026
चन्द्र 04/12/2012	06:27:49	तुला	शुक्र	वृश्चि	24:05:23	बुध 20/12/2028
मंगल 03/02/2014	09:29:52	मक	शनि	कुंभ	01:55:41	केतु 26/11/2029
राहु 03/02/2017	16:09:21	धनु व	राहु व	वृश्चि	09:04:28	शुक्र 27/07/2032
गुरु 05/10/2019	16:09:21	मिथु व	केतु व	वृष	09:04:28	सूर्य 15/05/2033
शनि 04/12/2022	18:27:43	धनु	हर्ष	धनु	26:57:37	चन्द्र 14/09/2034
बुध 04/10/2025	21:32:55	धनु	नेप	धनु	26:08:38	मंगल 21/08/2035
केतु 04/12/2026	27:27:57	तुला	प्लूटो	वृश्चि	02:47:38	राहु 14/01/2038

लग्न-चलित

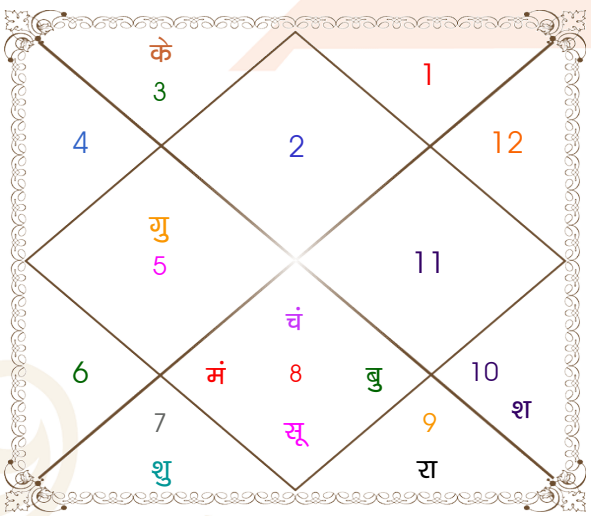

लग्न-चलित

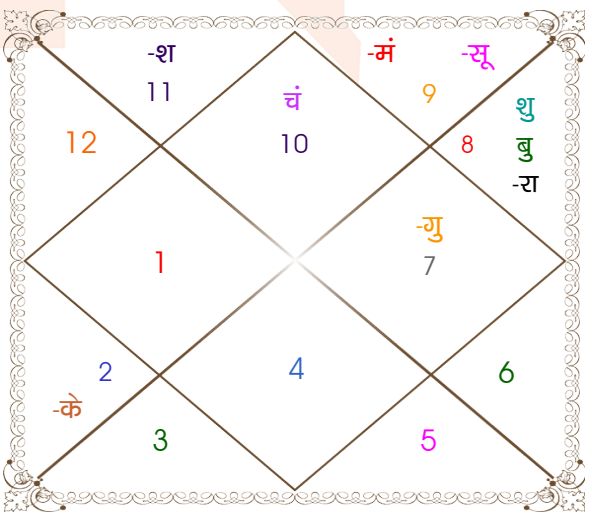

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।